(c) and (d) Yes, Sir Peoples participation and employment generation activities form essential components for the Project.

(e) and (f) Yes, Sir. The Project has been negotiated with the World Bank at Washington during the period from 15th July to 19th July, 1996, for funding.

धरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 2.4% होने का अनुमान है।

(ग) भारत में कृषि उत्पादन की वृद्धि दर विश्व के कुछ विकासशील और विकसित देशों के साथ तुलना करने योग्य है।

कृषि उत्पादन की विकास दर

2007. **श्री राम जेठमलानी:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 1995 के दौरान देश में कृषि उत्पादन की औसत दर 2.1 प्रतिशत रही है;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि विश्व के अन्य विकसित और विकासशील देशों में कृषि-उत्पादन की विकास दर भारत की तुलना में बहुत अधिक है;

(घ) यदि नहीं, तो गत वर्षों के दौरान पाकिस्तान, श्रीलंका, ईरान आदि जैसे अन्य देशों में कृषि विकास की औसत दर क्या रही है; और

(ङ) यूरोपीय देशों की तुलना में भारत में प्रति हैक्टेयर औसत कृषि उपज कितनी है?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) तथा (ख) वर्ष 1995-96 के दौरान देश में कृषि में सकल

(घ) वर्ष 1990—95 के दौरान कुछ चयनित विकासशील और विकसित देशों में कृषि उत्पादन की औसत वार्षिक वृद्धि दर संलग्न विवरण-I में दी गई है। (नीचे देखिए)

(ङ) वर्ष 1994 के दौरान भारत और यूरोपीय देशों में खाद्यान्न की प्रति हैक्टेयर औसत उपज संलग्न विवरण-II में दी गई है।

विवरण-I

वर्ष 1990—95 के दौरान चयनित विकासशील और विकसित देशों में कृषि उत्पादन की औसत वार्षिक वृद्धि दर।

देश	1990 से 1995 (% प्रतिवर्ष) तक वार्षिक वृद्धि
विश्व	0.69
मिश्र	2.79
कनाडा	0.04
मैक्सिको	2.40
संयुक्त राज्य अमरीका	3.79
अर्जेन्टीना	2.32
ब्राजील	3.81
बंगलादेश	1.35
चीन	3.89
भारत*	2.31
ईरान	6.00
जापान	1.42
पाकिस्तान	2.68
श्रीलंका	0.47
थाईलैण्ड	1.85
फ्रांस	(-)1.01
इटली	0.94
स्पेन	(-)3.29
इंग्लैण्ड	(-)1.76
आस्ट्रेलिया	(-)0.50

*: सूची संख्याएं कृषि वर्ष 1990-91 और आगे के वर्षों से संबंधित है।

विवरण-II

1994 में खाद्यान्नों की उत्पादकता

(कि०ग्रा० प्रति हैक्टेयर)

देश	1994
विश्व	2649
फ्रांस	6434
इटली	4604
स्पेन	2258
जर्मनी	5685
इंग्लैण्ड	6233
भारत	1819

स्रोत:—खाद्य व कृषि संगठन उत्पादन वर्ष पुस्तक, 1994

Report on Import of Banned Pestiddees

2008A SHRI LAKKHIRAM AGARWAL:
SHRI K.R. MALKANI:
SHRI RAHASBIHARI BARIK:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item entitled "Toxic pesticides sold to India by US firms appearing in the Hindustan Times, dated 9th July, 1996;

(b) the quantity of banned pesticides sold to India during 1992—94 by US companies;

(c) the total cost of banned pesticides purchased by India during the said period;

(d) the names of the companies which would the banned pesticides;

(c) whether those pesticides had been used in India;

(f) if so, effects of the banned pesticides on human body brain;

(g) action taken against the US firms; and

(h) whether protest has been lodged with the concerned US Department, if not the reasons therefor?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI CHATURANAN MISH-RA): (a) Yes Sir.

(b) As per the export and improt policy of the country, any pesticide which has not been registered or which is prohi bited for import, under the Insecticides Act, 1968 and forumulations thereof are not permitted to be imported.

(c) to (h) In view of answer to part (b) above, question does not arise.

Damages to the rail tracks due to derail ments

2009. SHRI YERRA NARAYANAS-WAMY: Will the Minister of RAIL WAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of trains were delayed for long periods due to derailment of a goods train near Nellore, recently;

(b) whether both the rail tracks were damaged due to the derailment;

(c) whether some technical precaution could be taken to avoid damage to both the tracks in case of derailment; and

(d) if so, the steps taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

Admission in Kcndriya Vidyalayas in Delhi

2010. SHRI SHIV CHARAN SINGH: Will the Minister of HUMAN RE SOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what arc the details of children and grand-children of MPs admitted in Ken-driya Vidyalayas in Delhi during the pre-